New

[15/09/23]

3.) [Money (मुद्रा)]

- कोई भी वस्तु जो सबके द्वारा विनिमय के ~~माध्यक~~ माध्यम के तौर पर स्वीकार की जाती है।

•

⇒ Legal Tender :-

↳ जब कोई मुद्रा सभी के द्वारा विनिमय (Exchange) के माध्यम के तौर पर सभी लेन-देनों के लिए स्वीकार की जाए, अर्थात सभी currency, (चलन) Coins + paper notes जो सरकार का द्वारा जारी किये जाते है तो उन्हें Legal tender कहते है।

Legal Tender

- Limited legal (सीमित) Tender
  ⇓
  Coins
  (भारत सरकार द्वारा ढ़ाले जाते है)
  (Act, 1906)
- Unlimited (असिमित) legal tender
  ⇓
  Paper Notes
  (Issued RBI)
  ₹1 का नोट छोड़कर

[Function of Money] (मुद्रा के कार्य)

- Primary functions (प्राथमिक कार्य)
- Secondary functions (द्वितीयक कार्य)

i) विनिमय का माध्यम

ii) मूल्य का मापन / लेखांकन की इकाई

i) मूल्य का संचयन

ii) भविष्य के भुगतानों का मानक

iii) मूल्य का हस्तांनतरण

⇒ The Barter System (वस्तु विनिमय प्रणाली)

- यह वह विनिमय प्रणाली थी, जिसमें वस्तुओं के स्थान पर वस्तुओं का विनिमय करते थे।
- वस्तु विनिमय प्रणाली में विनिमय तब होता था, जब इच्छाओं का दोहरा संयोग (double coincidence of want) होता है।

⇒ Major problems of the Barter System and Reason for evolution of Money

वस्तु विनिमय प्रणाली की प्रमुख समस्याएं एवं मुद्रा प्रारंभ

i) इच्छाओं का दोहरा संयोग की समस्या।

ii) धन को आगे ले जाना कठिन।

iii) खाते की मानक इकाई का अभाव, अर्थात किसी वस्तु के मूल्य का सही रूप से मापन नहीं हो पाता था।

Features of Money
(मुद्रा की विशेषताएं)

i) स्वीकार्यता (Acceptability)

↳ मुद्रा को सबके द्वारा स्वीकार करना चाहिए।

ii) स्थायित्व (Durability)

↳ मुद्रा का दीर्घकालिन समय के लिए प्रयोग, अर्थात संचयन (store) किया जाना चाहिए।

iii) वैकल्पिकता (fungibility)

↳ ₹ 100 → 1 Note
₹ 10 → 10 Notes
} Same Value

iv) Limited supply (सीमित आपूर्ति)

↳ मुद्रा की आपूर्ति सीमित होनी चाहिए, क्योंकि यदि यह असीमित होगी तो इसका मूल कम हो जाएगा।

v) Divisibility (विभाज्यता)

↳ मुद्रा एक-दूसरे से आसानी से विभाज्य हो जाती है।

vi) Portability (सुवाह्यता) :-

↳ मुद्रा को आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाया जा सकता है।

⇒ Demand for money & Supply of Money :—

Demand for money
(मुद्रा की मांग)
⇓
Relationship between Demand for money and level of Income and Interest Rate
(मुद्रा की मांग, आय के स्तर एवं ब्याज दर के बीच संबंध।

i) मुद्रा के मांग एवं आय के स्तर के संबंध। (+ve)

ii) मुद्रा के मांग एवं ब्याज दर के बीच संबंध (-ve)

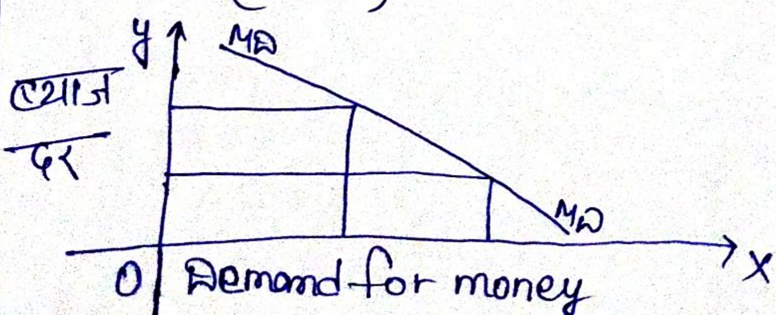

Supply of money
(मुद्रा की आपूर्ति
(by RBI & Govt.)
⇓
- मुद्रा की आपूर्ति अर्थव्यवस्था में आय के स्तर एवं ब्याज दर से स्वतंत्र होती है, अर्थात कोई प्रभाव नही पड़ता।

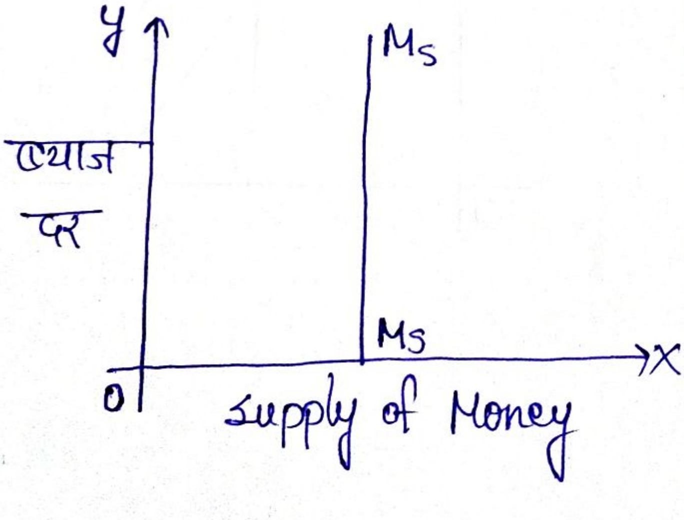

⇒ (B) अर्थव्यवस्था में ब्याज दर का निर्धारण :-

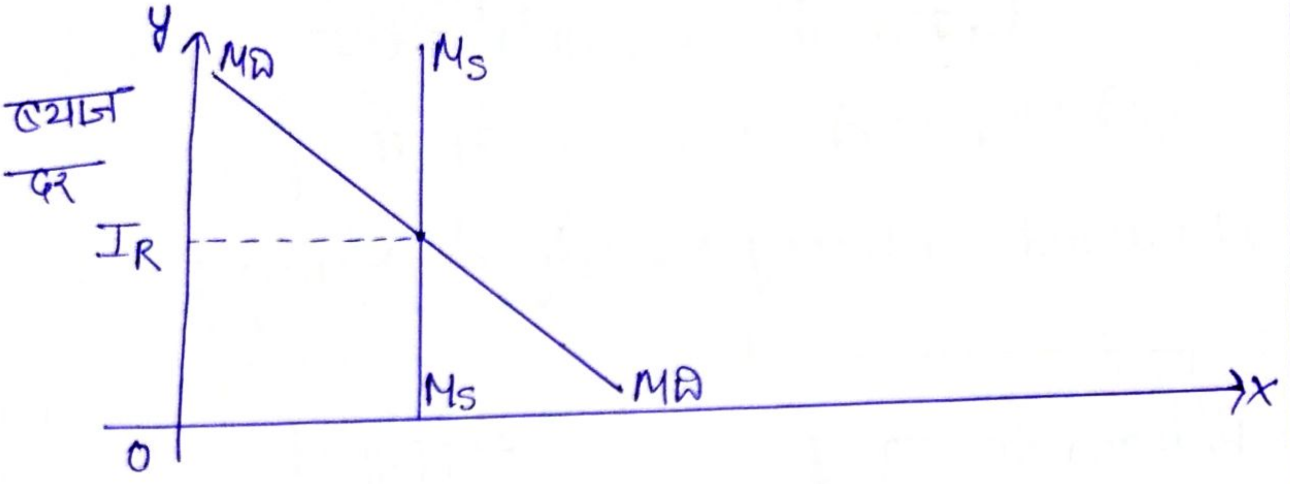

⇒ जब मुद्रा की मांग में वृद्धि होती है और मुद्रा की आपूर्ति सामान रहती है तो ब्याज दर क्या होगा।

MD↑ & Ms↔ Interest Rate?

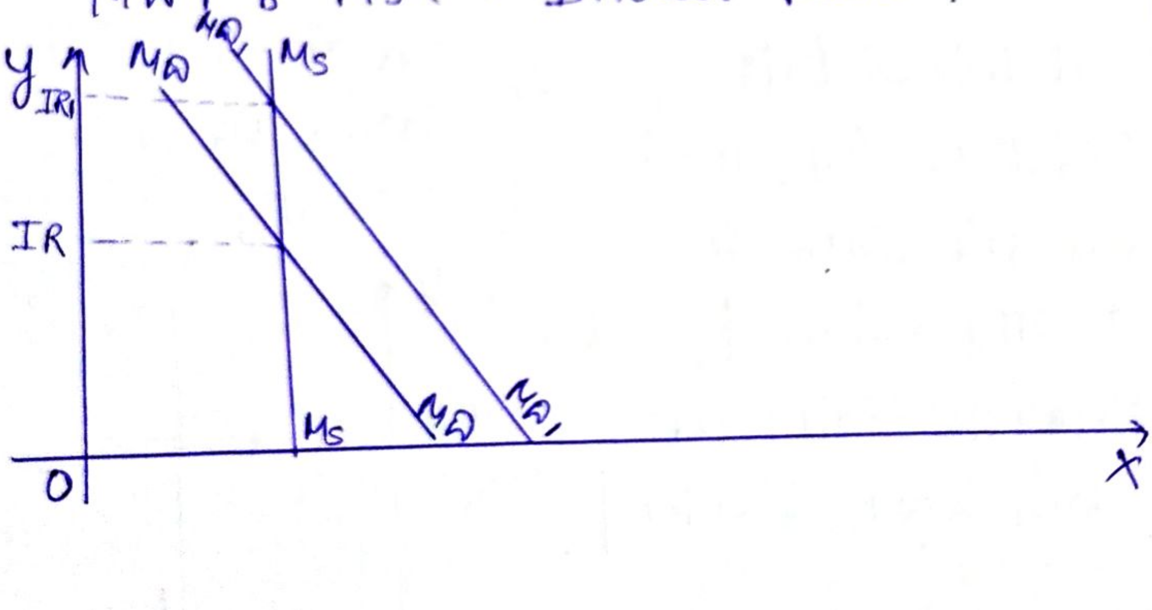

Methods of Measuring Money Supply (Monetary Aggregates)

(मुद्रा आपूर्ति के मापन की विधियाँ / मौद्रिक समुच्चय)

Old Methods	New Methods
→ 1977-1998 ⇓	1998 onward → Y.V Reddy
M_1, M_2, M_3 & M_4	M0, NM1, NM2 & NM3

[18/09/23]

Currency = Coins + Paper Notes.

Money Supply
(मुद्रा की आपूर्ति)

- इस समय अर्थव्यवस्था में कुल कितनी मुद्रा है, तो उसे मुद्रा की आपूर्ति कहते हैं।
- मुद्रा की आपूर्ति एक stock की अवधारणा है, क्योंकि यह अर्थव्यवस्था में किसी एक निश्चित समय पर कुल मुद्रा आपूर्ति का मापन है।
- भारत में मुद्रा की आपूर्ति को RBI के द्वारा मापा जाता है।

(Methods of Measuring Money supply)

मुद्रा की आपूर्ति के मापने की विधियाँ

or

मौद्रिक समुच्चय (Monetary ~~Aggrade~~ Aggregate)

Old Methods (पुरानी विधियाँ)

- 1977 से 1998 तक
- M_1, M_2, M_3, M_4

New Methods (नई विधियाँ)

- 1998 onward
- डॉ. Y.V Reddy
- M_0, NM_1, NM_2, NM_3 and liquity Aggregate (तरलता समुच्चय)

⇒ Old Methods of Money

मुद्रा आपूर्ति के मापन की पुरानी विधियाँ :-

→ $M_1 = C + DD + OD$

C = लोगों के पास विद्यमान चलन (Currency with the public)

DD = बैंकों में माँग जमाएं (CASA)

OD = RBI के पास अन्य जमाऐं

↳ Deposits of Financil Institute (Banks)

- IMF, WB
- Foreign Country

→ M_2 = M_1 + Post-office saving Account (बचत खाता)

→ M_3 = M_2 + Time/Term Deposits with Banks (बैंकों में समाय/ सावधि जमाएँ) (FD & RD)

→ M_4 = M_3 + पोस्ट आफिस के सभी जमाएँ (NSC को छोड़कर)

⇒ मुद्रा आपूर्ति के मापन की नई विधियाँ :-

→ M_0 = लोगों के बाद विद्यमान currency
+
बैंकों की RBI के पास जमाएँ
+
~~other de~~ RBI के पास अन्य जमाएँ

→ NM_1 = C + DD + OD

→ NM_2 = NM_1 + बैंकों में अल्पकालिन जमाएँ (less than 1 year)
+
बैंकों द्वारा जारी जमा प्रमाणपत्र

→ NM_3 = NM_2 + बैंकों में दीर्घकालीन जमाऐं
(More than 1 years)
+
वित्तीय संस्थानों से कॉल / टर्म फंडिंग
(call / Term funding)
1 दिन 14 दिन

⇒ तरलता समुच्चय (liquidity Aggregates):—

L1 = NM3 + पोस्ट ऑफिस की सभी जमाऐं
(NSC को छोड़कर)

L2 = L1 + Term deposits (सावधी जमाऐं), Term Borrowing (सावधी ऋण)

L3 = L2 + NBFCs में सार्वजनिक जमाऐं
(only have FA & RA)

[$M_0 > M_1 > M_2 > M_3 > M_4$]
॥
तरलता (liquidity)

⇒ मुद्रा के प्रकार :—

1.) केन्द्र बैंकीक मुद्रा :—
⇓
- M_0 भी कहते है।
- High powered money
- Monetary Base (मौद्रिक आधार)
- आरक्षित मुद्रा
- सरकार की मुद्रा

2.) Commericial Bank's Money
↳ M_1 and M_3

3.) → M_1 = Narrow money (संकीर्ण या सक्रीय मुद्रा)

4.) → M_3 = Broad money (विस्तृत मुद्रा)
↳ M_3 भारत में मुद्रा आपूर्ति के मापन की मुख्य विधि
⇓ M_3

5.) ⇒ महंगी मुद्रा (Dear/Tight Money) :—
↳ वह मुद्रा जो महंगी ब्याज दर पर उपलब्ध हो।

6.) ⇒ Cheap/Lose/easy money (सस्ती मुद्रा) :—
वह मुद्रा जो सस्ती ब्याज दर पर उपलब्ध हो।

19/09/23

Value of Currency (मुद्रा का मूल्य)

Intrinsic Value (आंतरिक मूल्य)

- जिस धातु या वस्तु से जो मुद्रा बनाई जाती है, तो उसके मूल्य को आंतरिक मूल्य कहते हैं।

Extrinsic Value (बाहरी मूल्य)

- जो मुद्रा का अंकित मूल्य (face value) होता है, उसे बाहरी मूल्य कहते हैं।

7.) Full Bodied Money (पूर्ण मूल्य मुद्रा) :—

↳ आंतरिक मूल्य = बाहरी मूल्य

eg:- Gold coin

8.) Token money (प्रतीक मुद्रा) :—

IV < EV → आंतरिक मूल्य, बाहरी मूल्य से कम।

- आम तौर पर सरकार / RBI के द्वारा जारी मुद्रा में प्रतीक मुद्रा की विशेषता देखी जाती है।

9.) Commodity Money

यह कोई वस्तु मुद्रा के मूल अर्थ को पूरा करती है, अर्थात सबसे द्वारा विनिमय के माध्यम के तौर पर प्रयोग की जाती है।

eg:- Gold coin, समुद्री सेल,

10.) Good money (अच्छी मुद्रा):-

$Iv > Ev$

आंतरिक मूल्य, बाहरी मूल्य से अधिक।

11.) Bad money (खराब मुद्रा):-

$Iv < Ev$

⇒ Gresham's law:-

खराब मुद्रा, अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है।

12.) Fiat money (प्रादिष्ट मुद्रा):-

Fiat = order

वह मुद्रा जिसे सरकार के आदेश के द्वारा जारी किया गया हो। एवं प्रत्येक व्यक्ति कानूनी तौर पर उस मुद्रा को विनिमय के माध्यम के तौर पर

प्रयोग करने के लिए बाध्य हो।

- देश में प्रचलित सभी currency (चलन) को प्रादिष्ट मुद्रा कहते हैं।
- इनको जारी करने के लिए किसी भी प्रतिभूति जैसे स्वर्ण की आवश्यकता नही होती है एवं इनका मूल्य माँग एवं आपूर्ति के आधार पर होता है।

13.) Fiduciary Money (प्रत्यसी मुद्रा)

वह मुद्रा जिसका प्रयोग विश्वास के आधार पर करते हैं।

eg :- चेक

14.) निकट मुद्रा / (Near | Quasi Money) :— अर्द्ध मुद्रा

वह मुद्रा जो नगद में परिवर्तित होने में कुछ समय लगता है।

eg :- बैंक की F.D & R.D.

15.) Hot money (चलायमान मुद्रा) :—

वह मुद्रा जो आसानी से एक देश से दूसरे देश स्थानातंरित होती है।

eg:- USA dollor, ~~...~~ यूरोप का यूरो U.K पॉउड, जापान का येन, China का युवान (Renminbi)

16.) Hard money (कठोर मुद्रा) :—

वह मुद्रा जिसका मूल्य अधिक परिवर्तनिय नही होता है।

eg:- USA का dollor

17.) Soft money (सुलभ मुद्रा) :—

वह मुद्रा जिसका मूल्य अत्यधिक परिवर्तनिय होता है।

eg:- Indian rupee.

18.) Plastic money :—

debit card

Credit Card

19.) virtual money (अभाषी मुद्रा)

- Internet पर आधारित मुद्रा

eg :- ~~[struck out]~~ Crypto Currency (Bit coin) and CBDC

↳ Central Bank digital currency (e-Rupee)

• Bit coin :-

↳ इसे 2008 में ~~जापान~~ जापान के शतोषी नागाबोटो के द्वारा बनाया

- यह एक विक्रेन्द्रीकृत मुद्रा है। अर्थात इसका कोई विनियामक (Regulator) नहीं है।

- भारत में RBI ने 2018 में इसको खरीदने एवं बेचने में प्रतिबंध लगाया था।
  लेकिन 2020 में SC ने इस प्रतिबंध को हटा दिया।

- El-salvador :-

  पहला देश जिसने crypto currency को लिगल (legal tender) का दर्जा दिया।

Money Multiplier
मुद्रा गुणांक

→ मुद्रा गुणांक $(m) = \frac{1}{\text{आरक्षित अनुपात } (r)}$

eg:- यदि आरक्षित अनुपात 20% होता है, तब मुद्रा गुणांक ?   [r = CRR & SLR]

$$m = \frac{1}{r} = \frac{1}{20\%} = 5$$

$$m = 5$$

यदि मुद्रा गुणांक 5 है तो इसका यह अभिप्राय है कि बैंकों द्वारा मुद्रा का 5 गुणा साख सृजन किया जाएगा।

Bank	जमा	Reserve Ratio $r = 20\%$	Credit Creation or Derivative Deposits (ΔD)
A	1000	Rs. 200	Rs. 800
B	800	160	640 loan
C	640	128	512
D	512	102	410
total	5000	1000	4000

[20/09/23]

भारत में मौद्रिक प्रणाली :-
(Monetary System in India)

Currency

Coins | Paper notes

Coins

- सभी सिक्कों की ढलाई भारत सरकार के द्वारा होती है।
- Indian coinage Act 1906 (2011).
- भारत में सिक्को की ढलाई 4 स्थानों पर होती है।
- मुंबई (1829) चिन्ह (B/M)
- हैदराबाद - 1903 चिन्ह = ✡/◇
- कोलकाता - 1957 चिन्ह = No symbol
- नोयडा = 1984 चिन्ह (•)
- सबसे बड़ा सिक्का 1 हजार का हो सकता है।

Paper notes

- 2 रुपये एवं उसके ऊपर के नोट RBI द्वारा जारी होते है।
- नोट RBI अधिनियम 1934 के तहत जारी होते है।
- भारत में सबसे बड़ा नोट 10 हजार का हो सकता है।
- भारत में नोटो की छपाई 4 स्थानो पर होती है।

नासिक, देवास, सालबोनी मैसूरु

Note:-

- एक रुपये का नोट भारत सरकार के द्वारा जारी होता है।
- इसे वित्त सचिव के द्वारा हस्ताक्षरित किया जाता है।
- 1 रुपये का नोट currency ordinance 1940 के तहत जारी होता है।

⇒ RBI द्वारा भारत में नोट जारी करने का आधार :-

→ 1956 से पहले :- अनुपातिक आरक्षित प्रणाली
⇓
इस आरक्षित प्रणाली में RBI को 40% सोने के रूप में रखना पड़ता है।

- 1956 से :- न्यूनतम आरक्षित प्रणाली (MRS)
⇓
इस प्रणाली के तहत RBI को न्यूनतम 200 करोड़ अपने पास आरक्षित करने पड़ते हैं।

₹ 200 Cr

₹ 115 Cr ⇓ Gold

₹ 85 Cr ⇓ FC

नोटो की छपाई (Printing of Notes)

Currency Notes Press Naisk

- 1928 में स्थापना
- भारत की पहली नोट Press
- भारत सरकार के अधीन

Bhartiya Reserve Bank Note Mudran PVT. Ltd

- मैसूर, कर्नाटक
- सालबोनी (WB)

Bank Notes Press Dewas, MP

⇒ INK बनती है।
⇒ भारत सरकार के अधिन

→ India Security press → Nasik
→ Security printing press → Hydrabad

Govt. Bonds, Postal Stamps छापे जाते है।

→ Security paper Mill, Hosangabad, MP

- → स्थापना = 1968
- → नोट के पेपर बनाये जाते है।

⇒ विमुद्रीकरण (Demonetization)

- जब RBI किसी मुद्रा का Legal Tender खत्म करता है, तब उसे विमुद्रीकरण कहते हैं।

- 1934 में :- RBI ने 500 एवं 1000 रूपये के नोट जारी किये।

- 1938 :- सर्वप्रथम 10 हजार का नोट जारी किया गया।

- 1946 :- पहला विमुद्रीकरण (1000, 10000 नोट का)

- 1954 :- 1 हजार एवं 10 हजार का नोट दोबारा जारी किया गया एवं 5 हजार रूपये का नोट पहली बार जारी किया गया।

- 1978 :- 1 हजार, 5 हजार एवं 10 हजार के नोटों का विमुद्रीकरण हुआ (2nd विमुद्रीकरण)।

- 2016 में 500 एवं 1000 नोट का विमुद्रीकरण किया गया और RBI ने 500 और 2000 के नोट को जारी किया।

⇒ विमुद्रीकरण के कारण :—

- काले धन को बाहर निकालना।
- नकली मुद्राओं को बाहर निकालना।
- आतंकी funding को रोकना।
- भ्रष्टाचार को कम करना।
- अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण करना।